भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3716
3/4/2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

पृथ्वी विज्ञान (पीआरआईटीएचवीआई) योजना

3716 श्री मदन राठौड़:
श्री नारायण कोरागप्पा:
श्री बाबू राम निषाद:
श्रीमती माया नारोलिया:
श्रीमती सुनेत्रा अजीत पवार:
डा. कल्पना सैनी:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पृथ्वी विज्ञान (पीआरआईटीएचवीआई) योजना के लिए कितनी वित्तीय आबंटन किया गया है तथा फरवरी, 2025 तक कितनी धनराशि व्यय की गई है;
(ख) योजना के कार्यान्वयन की समय-सीमा और चरण क्या हैं;
(ग) क्या पृथ्वी विज्ञान योजना के अंतर्गत कोई उप-योजनाएं शामिल की गई हैं; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान पृथ्वी विज्ञान योजना के लिए वित्तीय आवंटन 685 करोड़ रुपये है और फरवरी 2025 तक 567.33 करोड़ रुपये व्यय किए गए।

(ख) इस योजना को अभी 5 वर्षों (2021-2026) के लिए अनुमोदित किया गया है।

(ग) जी हां।

(घ) पृथ्वी योजना में पांच चल रही उप-योजनाएं शामिल हैं, अर्थात्:

(i) वायुमंडल और जलवायु अनुसंधान-मॉडलिंग प्रेक्षण प्रणाली और सेवाएं (ACROSS)
(ii) महासागर सेवाएं, मॉडलिंग अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (O-SMART)
(iii) ध्रुवीय विज्ञान और हिमांक मंडल अनुसंधान (PACER)
(iv) भूकंप विज्ञान और भूविज्ञान (SAGE)
(v) अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण और आउटरीच (REACHOUT)

तथापि, सितंबर 2024 में मिशन मौसम के शुभारंभ के बाद, ACROSS उप-योजना का मिशन मौसम में विलय कर दिया गया है।

*****